Department of Hindi Journalism & Mass Communication

Ram Lal Anand College

University of Delhi

In Collaboration With

Vigyan Prasar

Ministry of Science and Technology, GOI

Offers

Certificate Course

in

Essential Skills in Science & Environmental Communication

'Let's communicate for sustainable future'

हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग

राम लाल आनंद महाविद्यालय

दिल्ली विश्वविद्यालय

संयुक्त तत्वावधान में

विज्ञान प्रसार

विज्ञान व प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार

प्रस्तुत करता है

सर्टिफिकेट कोर्स

विषय

विज्ञान और पर्यावरण संचार के लिए अनिवार्य कौशल

'आइए बात करते हैं सतत विकास की'

About College

Ram Lal Anand College was founded in the year 1964 by Late Shri Ram Lal Anand, a senior advocate in the Supreme Court of India, in response to the growing social demand in the sixties for providing educational opportunities at the university level. The college has excellent infrastructure, with state of the art Laboratories, Seminar room, Amphitheatre, Library, Playground and Cafeteria. The campus is Wi-Fi enabled. Being a multi-disciplinary, co-educational institution it has approximately 1500 students pursuing different courses in Arts, Commerce and Science streams. The college boasts off a highly learned and committed teaching faculty of about 80 teachers. Apart from their traditional role of disseminating knowledge, the teachers inspire and guide the students to manage different activities such as seminars, workshops, debates, theatre, cultural activities including classical music and dance programmes.

Department of Hindi Journalism & Mass Communication

The faculty members of the department comes from diverse background of Media Industry and Academia, ranging from Print and TV news, Magazine, Corporate and Public relations. Every year, department admits students into the course coming from various disciplines and regions. The department publishes a Newspaper 'RLA Samachar' and a Magazine ' Sambhav', work of which is executed by the students under supervision of Faculty members, thus provides hands-on training to the students. The department has a Media Lab well equipped with industry related new and updated machines like Camera with Tripod, Apple MAC for editing, Audio Console, Desktops and Sound Proof Media Studio. Students have been provided with practical sessions, training and regular interaction with media experts in diverse fields through seminar, workshops, webinar. Alongwith the technical training, students are always being motivated for research in media and academia. Department has an MoU with Amar Ujala, Moliticks and Sehgal Foundation for holistic learning and development of the students. Students have been provided with the opportunity of field visits to various News organizations, educational outdoor trips along with Internship programme. Alumni of the department are now being placed in various reputed organizations like BBC, ABP, India TV, India News, Amar Ujala, NBT etc.

About the course

This certificate course is designed for graduate and post graduate students of Delhi university/college under LOCF exclusively. The course will be interdisciplinary, where Students from all streams could participate with no registration or course fee charged. This will be a weekend course of forty hours, and will be conducted on online platform Zoom, considering the pandemic situation. This course will acquaint the students with different aspects of science, environment and related issues, and skills required to communicate effectively in common parlance. The course will be covering thematic areas of science and environment like science, environment and communication, Art and techniques of storytelling, Tools and techniques of media production, with practical analysis based on project and presentation. The session will be taken by prominent experts from the field of Science and Environment communication. In the end, students will be evaluated and based upon their performance, the top three students will be awarded with two months internship in Vigyan Prasar organization.

Vigyan Prasar

Vigyan Prasar is an autonomous organization under the Department of Science and Technology, Government of India. It was established in 1989 by the Department of Science and Technology, Government of India. Its objective is to undertake activities of science popularization on a large scale, to promote and disseminate scientific and rational approach and to act as a resource-cum-facilitation center for science and technology communication.

Course Objective

The objective of course is to orient students in science and environment communication skills required to cover news, scientific initiatives, scientific breakthroughs, natural disaster, weather forecasting, climate change, pollution, health and environment that need regular media attention in contemporary times. Science and Environment communication course curriculum is being designed and developed with the aim and objective to produce professionals in the area of science and environment communication, science environment journalism, filmmaking, public relations on science, health and environmental issues and related communication fields to bridge the gap between science and society and to promote scientific temper in society.

Scope of the course

Science & Environment communication is an emerging field that offers students a wide variety of job opportunities in print and electronic media, corporate world, science museums or science centres, social sector, NGOs, research and development sector. Government Organizations, PSUs, Science Laboratories, R&D Centres, Science Museums and Science Centers are also offering Education Officer and Public Relations Officer jobs.

Highlights of the course

- **Science, Environment and Communication**
- **Art and Techniques of Story Telling**
- **Tools and Techniques of Media Production**
- **Project and Presentation**

कॉलेज के विषय में

राम लाल आनंद कॉलेज की स्थापना वर्ष 1964 में भारत के सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता स्वर्गीय श्री राम लाल आनंद द्वारा युवाओं को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में शैक्षिक अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी।
कॉलेज में अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं, संगोष्ठी कक्ष, एम्फीथिएटर, लाइब्रेरी, खेल का मैदान और कैफेटेरिया व वाई-फाई सक्षम परिसर के साथ उत्कृष्ट बुनियादी ढांचा मौजूद है। एक बहु-विषयक, सह-शैक्षिक संस्थान होने के कारण यहां लगभग 1500 छात्र कला, वाणिज्य और विज्ञान धाराओं में विभिन्न पाठ्यक्रमों का अनुसरण कर रहे हैं। ज्ञान के प्रसार की अपनी पारंपरिक भूमिका के अलावा, शिक्षक छात्रों को सेमिनार, कार्यशालाओं, वाद-विवाद, रंगमंच, शास्त्रीय संगीत और नृत्य कार्यक्रमों सहित सांस्कृतिक गतिविधियों में भागीदारी व प्रबंधन करने के लिए प्रेरित व मार्गदर्शन करते हैं। इसके अतिरिक्त शिक्षक विभिन्न शोध और नवाचार परियोजनाओं में छात्रों का मार्गदर्शन करने में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कॉलेज को राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) और राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के अग्रणी सहयोगियों में से एक होने पर गर्व है, जिसमें प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष में नामांकित कैडेटों/स्वयंसेवकों के प्रभावशाली सदस्य शामिल होते हैं।

हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग

विभाग के शिक्षक प्रिंट, टीवी समाचार, पत्रिका, कॉर्पोरेट व जनसंपर्क से लेकर मीडिया उद्योग और शिक्षा जगत की विविध पृष्ठभूमि से आते हैं। इस पाठ्यक्रम में प्रत्येक वर्ष विभिन्न क्षेत्रों व विषयों से छात्र प्रवेश लेते हैं। विभाग द्वारा हर साल एक समाचार पत्र 'आरएलए समाचार' व पत्रिका 'संभव' प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन कार्य छात्रों द्वारा संकाय सदस्यों की देखरेख में निष्पादित किया जाता है। इस प्रकार छात्रों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। विभाग के पास एक मीडिया लैब है जो मीडिया क्षेत्र से संबंधित नवीनतम मशीनों जैसे ट्रायेपॉड के साथ कैमरा, संपादन के लिए ऐप्पल मैक, ऑडियो कंसोल, डेस्कटॉप और साउंड प्रूफ मीडिया स्टूडियो से सुसज्जित है। छात्रों को संगोष्ठी, कार्यशालाओं, वेबिनार के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में मीडिया विशेषज्ञों के साथ व्यावहारिक ज्ञान व प्रशिक्षण के मौके उपलब्ध कराये जाते हैं। तकनीकी प्रशिक्षण के साथ-साथ छात्रों को हमेशा मीडिया और शिक्षा में शोध के लिए प्रेरित किया जाता है। छात्रों के समग्र विकास के लिए विभाग का अमर उजाला, मोलिटिक्स और सहगल फाउंडेशन के साथ समझौता ज्ञापन भी है। छात्रों को विभिन्न समाचार संगठनों के फील्ड दौरे, शैक्षिक यात्राओं के साथ- साथ इंटर्नशिप कार्यक्रम भी उपलब्ध कराये जाते हैं। विभाग के पूर्व छात्र बीबीसी, एबीपी, इंडिया टीवी, इंडिया न्यूज़, अमर उजाला, एनबीटी आदि जैसे विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों में कार्यरत हैं।

विज्ञान प्रसार

विज्ञान प्रसार भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के तहत एक स्वायत्त संगठन है। इसकी स्थापना *1989* में विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा की गई थी। इसका उद्देश्य विज्ञान को लोकप्रिय बनाने की गतिविधियों को बड़े पैमाने पर शुरू करना, वैज्ञानिक और तर्कसंगत दृष्टिकोण को बढ़ावा देना और प्रसारित करना और विज्ञान और प्रौद्योगिकी संचार के लिए संसाधन-सह-सुविधा केंद्र के रूप में कार्य करना है।

पाठ्यक्रम के विषय में

यह एक अंतः विषय पाठ्यक्रम है जिसमें सभी विषयों के स्नातक व परास्नातक छात्र भाग ले सकते हैं। इस कोर्स में किसी प्रकार का शुल्क नहीं रखा गया है। यह चालीस घंटे का सप्ताहांत पाठ्यक्रम है जो कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म जूम पर आयोजित किया जाएगा। यह पाठ्यक्रम छात्रों को विज्ञान, पर्यावरण और संबंधित मुद्दों के विभिन्न पहलुओं और आम बोलचाल में प्रभावी ढंग से संवाद करने के लिए आवश्यक कौशल से परिचित कराएगा। यह पाठ्यक्रम विज्ञान और पर्यावरण के विषयगत क्षेत्रों जैसे विज्ञान, पर्यावरण और संचार, कहानी कहने की कला व तकनीक, मीडिया उत्पादन के उपकरण और तकनीक, परियोजना कार्य व प्रस्तुति के आधार पर व्यावहारिक विश्लेषण के साथ अनिवार्य कौशल प्रदान करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है, जिसका अध्यापन कार्य विज्ञान व पर्यावरण क्षेत्र से संबंधित विशेषज्ञों द्वारा किया जायेगा. पाठ्यक्रम के अंत में छात्रों के मूल्यांकन के आधार पर उच्च तीन विशिष्ट छात्रों को विज्ञान प्रसार संस्थान में दो महीने की इंटर्नशिप (व्यावहारिक ज्ञान) करने का मौका दिया जायेगा।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को विज्ञान व पर्यावरण समाचार, वैज्ञानिक पहल, वैज्ञानिक सफलता, प्राकृतिक आपदा, मौसम पूर्वानुमान, जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, स्वास्थ्य और पर्यावरण को कवर करने के लिए आवश्यक विज्ञान और पर्यावरण संचार कौशल में उन्मुख करना है, जिन्हें समकालीन समय में नियमित रूप से मीडिया के ध्यान की आवश्यकता है।
यह पाठ्यक्रम , विज्ञान और पर्यावरण संचार, विज्ञान-पर्यावरण पत्रकारिता (रिपोर्टिंग और लेखन), फिल्म निर्माण, विज्ञान, स्वास्थ्य और पर्यावरण के मुद्दों पर जनसंपर्क के क्षेत्र में पेशेवरों का उत्पादन करने के उद्देश्य के साथ बनाया गया है जिससे विज्ञान और समाज के बीच की खाई को न केवल पाटा जा सके बल्कि, समाज में वैज्ञानिक सोच का विकास किया जा सके।

पाठ्यक्रम का स्कोप

विज्ञान और पर्यावरण संचार एक उभरता हुआ क्षेत्र है जो छात्रों को प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, कॉर्पोरेट जगत, विज्ञान संग्रहालय या विज्ञान केंद्र, सामाजिक क्षेत्र, गैर सरकारी संगठनों, अनुसंधान और विकास क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के रोजगार के अवसर, प्रयोगशालाएं, अनुसंधान एवं विकास केंद्र, विज्ञान संग्रहालय, विज्ञान केंद्र भी, शिक्षा अधिकारी और जनसंपर्क अधिकारी की नौकरी करने का विकल्प मौजूद है।

पाठ्यक्रम के मुख्य बिंदु

- विज्ञान, पर्यावरण और संचार
- कहानी कहने की कला और तकनीक
- मीडिया उत्पादन के उपकरण और तकनीक
- परियोजना और प्रस्तुति

Click Here For Registration

https://forms.gle/DsMTvUqHYXPNVbFV9

Course Duration: 40 Hour
No registration and course fee
Starting Date: 9 October, 2021
Last Date of Registration: 8 October, 2021
Limited Seats: First come first serve basis
Course is restricted to Delhi University UG-PG Students

Course Organising Team

Prof. Rakesh Kumar Gupta
Principal

Prof. Rakesh Kumar
Course Coordinator, HOD

Assistant Prof. Shweta Arya
Course Co-Coordinator

Dr. Nimish Kapoor
Senior Scientist, Vigyan Prasar

Student Coordinator

Geetu, Vikash, Sameera Mantu, Shivani

For any queries reach us:

Vikash - 7905722675
Geetu - 8588019992
bjmcrlac@gmail.com